



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

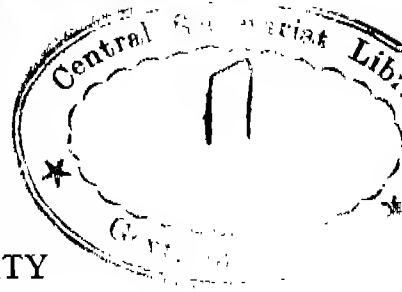
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 271] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 6, 1974/कार्तिक 15, 1896

No. 271] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 6, 1974/KARTIKA 15, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF COMMERCE

### PUBLIC NOTICE

#### IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 6th November 1974

SUBJECT.—*Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure 1974-75.*

No. 170-ITC(PN)/74.—Attention is invited to the provisions made in paragraph 89(1) of the Import Trade Control Hand Book of Rules and procedure, 1974-75 in terms of which the materials imported by an actual user can be processed in the factory of another manufacturing unit but the goods so processed in another factory shall be utilised in the manufacturing processes undertaken by the actual user licensee.

2. It is clarified that the actual user to whom the licensee delivers the imported material for such intermediate processing is not allowed to include the value/quantity of such imported materials in his consumption of imported materials while claiming entitlement for raw materials and components as an actual user under the import policy for Actual Users.

B. D. KUMAR,  
Chief Controller of Imports & Exports.

## वाणिज्य मंत्रालय

## सार्वजनिक सूचना

## आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1974

विषय.—आयात व्यापार नियंत्रण हैडबुक, क्रियाविधि, 1974-75

सं० 170-आई०टी०सी० (पी०एन०)/74.—आयात व्यापार नियंत्रण हैडबुक, क्रियाविधि, 1974-75 की कंडिका 89 (1) में दी गई व्यवस्थाओं की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसकी शर्तों के अनुसार वास्तविक उपयोक्ता द्वारा आयातित माल का संसाधन दूसरे विनिर्माणकर्त्ता एकक की फैक्ट्री में किया जा सकता है, लेकिन इस तरह से दूसरी फैक्ट्री में संसाधित माल का उपयोग वास्तविक उपयोक्ता लाइसेंसधारी द्वारा चलाए जाने वाले विनिर्माण संसाधन उद्योग में ही किया जाएगा।

2. यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसा वास्तविक उपयोक्ता जिसे लाइसेंसधारी इस तरह के मध्यस्थ संसाधन के लिए आयातित माल देता है तो जब वास्तविक उपयोक्ताओं के लिए आयात नीति के अन्तर्गत एक वास्तविक उपयोक्ता के रूप में कच्चे माल और संघटकों के लिए हकदारी का दावा करता है तो उसके आयातित माल के उपयोग में इस प्रकार के आयातित माल के मूल्य/मात्रा को शामिल नहीं किया जाता है।

बी० डी० कुमार,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।